

1, 2, 3, 26. 3, 4, 25, 89. H. 1092. HALĀJ. 3, 62. P. 3, 3, 74. JĀG. 2, 154. गवाम् MBh. 15, 407. HARIV. 3630. 8799. DAṢ. 1, 20, 2, 13. R. GORR. 2, 63, 19. °ख-नित्र BHĀG. P. 2, 7, 48. MĀRK. P. 13, 1, 4, 32, 16. मरुणवनिपानविद् (ḍi-va) MBh. 13, 1237. गाक्षो मरुषा निपानसलिलम् ÇĀK. 39. परकीयनिपानेषु न स्नायात् M. 4, 201. °कर्तुर् ebend. निपानं सर्वभूतानां भूत्वा MBh. 12, 351. Melkkübel TRIK. 2, 9, 16.

निपानवत् (vom vorherg.) adj. mit Wasserbehältern, Teichen, Cisternen u. s. w. versehen: वन RAGH. 9, 53.

निपीडना (von पीड् mit नि) f. Bedrückung: दीन° SĪH. D. 73, 10.

निपीति (von पा, पिबति mit नि) f. das Trinken P. 3, 3, 95, Sch.

निपु m. N. pr. eines Mannes KSHIRĪÇĀV. 5, 8, 13.

निपुण adj. f. सा mit कृतादि compon. gaṇa श्रेण्यादि zu P. 2, 1, 59.

1) geschickt, gewandt, erfahren AK. 3, 1, 4. H. 342. mit gen. und loc. VOP. 3, 29. निपुणाः पाययेयपितः M. 9, 269. 267. SUÇR. 4, 127, 6. ÇĀK. 86, 14. MĀLAV. 7, 11. 28, 22. PAÑKAT. 122, 1. HIT. I, 46. VARĀH. BRH. S. 67, 112. LAUGH. 2, 16, 9, 4. निपुण्या मत्या SUÇR. 4, 102, 10. बुद्ध्या Spr. 490. अतिमल्लिने कर्तव्ये भवति खलानामतीव निपुणा धीः Spr. 57. कलासु VARĀH. BRH. 13, 7. mit einem im loc. gedachten Nomen compon. gaṇa शौण्डादि zu P. 2, 1, 40. धर्म° R. 1, 1, 55 (39 GORR.). नीति° BHARTṚ. 2, 81. प्रयोग° Spr. 440. Megh. 70. mit einem im instr. gedachten Nomen compon. P. 2, 1, 31. वाचा निपुणाः, वाङ्मिपुणाः Sch. mit einem loc. der Person oder mit प्रति wohl liebenswürdig gegen P. 2, 3, 43. von Geschicklichkeit, Gewandtheit, Erfahrung zeugend: नय HARIV. 5314. अयुपाय MBh. 1, 5675. विसर्ग निपुणां दृष्टिम् einen scharfen Blick R. 1, 42, 16. निपुणम् adv. auf geschickte, feine Weise: निपुणं (sic) च चरिष्यामि MBh. 4, 68. MĀRK. 87, 2. ÇĀK. 59, 15. MĀLAV. 10, 8. — 2) vollkommen, vollständig: निपुणां शुद्धिमिच्छताम् M. 3, 61. प्रसन्ननिपुणेन तपसा BHĀG. P. 5, 4, 5. योग 2, 6, 34. भगवति — स च निपुणां लभते गतिं मनुष्यः 4, 23, 39. निपुणम् adv. vollständig, vollkommen, ganz, genau: तच्छ्रुत्वा निपुणं सर्वम् R. 2, 88, 1 (96, 4 GORR.). तामुतीर्य प्रयत्नेन निपुणं प्रविचिंत्य च 4, 44, 82. संचिन्तयित्वा निपुणं निश्चित्य च बलाबलम् 6, 7, 4. इति वर्णाविदः प्राङ्निपुणं तन्निबोधत ÇIKSĪ 12 in Ind. St. 4, 107. इति स्वराता निपुणं समुच्चिताः Kār. 2 aus Kāç. zu P. 7, 2, 10. यतता auf alle Weise KĀURAB. 30. Hierher gehört auch das vor adj. erscheinende निपुण im comp. gaṇa विस्पष्टादि zu P. 6, 2, 24. compar.: निपुणतरं परिज्ञाय vollständig, vollkommen PAÑKAT. 115, 16. निपुणेन dass.: एतत्ते सर्वमाध्यातं निपुणेन MBh. 13, 3569. BHĀG. P. 1, 3, 37. निपुणातस् dass.: ज्वरेत्पत्तिं निपुणातः श्रोतुमिच्छाम्यहम् MBh. 12, 10210. — Vgl. निपुणा, निपुण्य.

निपुणाता (vom vorherg.) 1) Geschicklichkeit, Gewandtheit: का निपुणाता धर्मतत्त्वे रतिः BHARTṚ. Suppl. 10. — 2) Genauigkeit: यावन्निपुणातया पश्यति genau hinsehen PAÑKAT. 181, 18. 225, 16.

निपुणिका (von निपुणा) f. N. pr. einer Zofe MĀLAV. 36, 9. VIKR. 37, 8 (wo fälschlich निपुनिका). 44, 15.

निपूर (1. नि + पूर) f. nach MAULBH. 80 v. a. सूत्रदेह der seine Körper: (अमुराः) पूरपूरौ निपूरो ये भरति VS. 2, 30. AV. 18, 2, 28.

निप्रियाय् (von 1. नि + प्रिय), °यते im Besitz behalten —, nicht von sich lassen wollen: ब्रह्मज्ञेयं तदब्रुवन् एनां (वशो) निप्रियायै AV. 12, 4, 11. 21. 25.

निफला (1. नि + फल) f. *Cardiospermum Halicacabum* (व्यातिष्मती) BHĀVAPR. im ÇKDR.

निफालन n. das Sehen ÇABDĀRTHAK. bei WILS. — Vgl. निभालन.

निफेन n. = अफेन *Opium* RĀG. im ÇKDR.

निबन्धर (von बन्ध् mit नि) nom. ag. Verfasser ÇKDR. WILS. Beide schreiben निबन्ध.

निबन्ध (wie eben) 1) m. a) das Anbinden, Festbinden R. 5, 42, 4. Bindung, Fesselung: देवी संपद्धिमोक्षाय निबन्धायासुरी मता BHĀG. 16, 5. = निबन्ध das feste Hängen an H. 1500, v. 1. — b) Band, Fessel: कर्म-निबन्धकृत्तन BHĀG. P. 6, 2, 46. नामकर्मनिबन्धबद्ध 3, 13. Schol. bei WILSON, SĀMKEJAK. S. 6. — c) Grund, Wurzel (in übertr. Bed.): धर्मनिबन्ध-मार्ग MBh. 2, 2532. — d) Stiftung JĀG. 1, 317, 2, 121. — e) Verstopfung H. 471, v. 1. für विबन्ध. — f) Composition, literarisches Werk H. 257. Verz. d. B. H. 265, 9. Verz. d. Oxf. H. 108, b, N. VĀSAYAD. 9, 2. BHĀG. P. I, LXVII, N. 2. कारिका° Z. d. d. m. G. II, 342 (No. 201, d). Vgl. ग्रन्थ. — g) Titel eines best. Werkes Verz. d. Oxf. H. 93, a, 38. — h) = निब्व *Azadirachta indica* Juss. ÇAṬĀDH. im ÇKDR. — 2) n. *Gesang* ÇABDAR. im ÇKDR.

निबन्धक von निबन्ध gaṇa ऋष्यादि zu P. 4, 2, 80. निबन्धनक v. 1.

निबन्धन (von बन्ध् mit नि) 1) adj. f. ई bindend, fesselnd: निबन्धनी (निबन्धनी MBh. 12, 6548) रज्जुरेषा या ग्रामे वसतो रतिः MBh. 12, 9953 = 12114. सेतवः सर्वे वर्णाश्रमनिबन्धनाः BHĀG. P. 3, 21, 54. — 2) f. ई Band, Fessel SUÇR. 2, 29, 2. निबन्धनी ऋष्यतृक्षेह MBh. 5, 771. — 3) n. a) das Anbinden, Befestigen SUÇR. 2, 197, 6. मौञ्जी° M. 2, 27. सेतोः das Schlagen einer Brücke MBh. 3, 10725. — b) Band, Fessel AK. 2, 8, 2, 58. TRIK. 2, 8, 28. निर्मासिस्थिभूयिष्ठैर्गात्रैः स्नायुनिबन्धनैः °निबन्धभिः 11, 89 MBh. 11, 120. नैर्नावीव निबद्धा हि सेतसा सनिबन्धना । द्रियमाणा 12, 9680. BHĀG. P. 1, 2, 15. 3, 31, 15. 7, 2, 47. 7, 27. 8, 23, 10. Bande, Verbindungen: त्यक्त्वा सर्वं निबन्धनम् KATHĀS. 5, 105. — c) das worin Etwas befestigt ist, ruht: मूलैर्हर्वी निबन्धनैः R. GORR. 2, 43, 33. इषु° Kücher 31, 28. — d) das obere Ende des Halses der Vīṇā, wo die Saiten befestigt werden, AK. 1, 1, 3, 7. H. 290. — e) Grund, Ursache, Veranlassung, Bedingung (vgl. निदान) H. 1513. प्रत्यहं लोकपात्रायाः प्रत्यक्षं स्त्री निबन्धनम् M. 9, 27 (MBh. 13, 2494). प्रकृति° KAP. 1, 18. Schol. bei WILS. SĀMKEJAK. S. 78. तत्र तस्याश्च ज्ञातो ऽहं साध्या वृत्तिनिबन्धनम् KATHĀS. 6, 31. Häufig am Ende eines adj. comp.: सध्यमर्थनिबन्धनम् MBh. 1, 5141. KAP. 1, 121. MĀLAV. 72. KĀM. NITIS. 13, 39. KATHĀS. 4, 13. PAÑKAT. I, 91. HIT. III, 78. PRAB. 93, 3. RĀGAT-TAR. 3, 424. P. 2, 2, 36, Sch. 6, 3, 35. Vārt. 3, Sch. Schol. bei WILSON, SĀMKEJAK. S. 9. f. सा MBh. 12, 8359. RAGH. 8, 51. बालिरावणयोः किंनिबन्धना मैत्री MAULBH. 84, 2. KULL. zu M. 5, 60. तत्प्रभावनिबन्धना (कथा) hervorgerufen durch, in Beziehung stehend zu KATHĀS. 1, 26; vgl. तन्निमित्ताभिः कथाभिः DAṢ. 2, 5. — f) ein Gefüge von Worten, Composition PAT. bei GOLD. MĀN. 147, a. KUMĀRILA bei MÜLLER, SL. 97. द्विधाप्रयुक्तेन च वाङ्मयेन सरस्वती तन्मिथुनं तुनाव । संस्कारपूतेन वरं वरेण्यं वधूं मुखप्राप्त्यनिबन्धनेन (cujus constructiones facile comprehendere poterant St.) || KUMĀRAS. 7, 90. निबन्धनग्रन्थ BURN. in BHĀG. P. I, LXVII, N. 2.

निबन्धनक von निबन्धन v. 1. im gaṇa ऋष्यादि zu P. 4, 2, 80.